हाथरस से प्रकाशित हिन्दी दैनिक 'भव्य प्रभात' विज्ञापन व समाचार के लिये सम्पर्क करें–

कार्यालय

7–ऊपरी मंजिल बागला डिग्री कालेज,हाथरस

9319426268,9410427880

Email:-bhavyaprabhat@gmail.com

हाथरस से प्रकाशित दैनिक

भव्य प्रभात

खबर,सच्चाई के साथ

वर्ष 18, अंक 199 | 17 जुलाई 2025 गुरुवार हाथरस | पृष्ठ 8 | मूल्य–2/–रूपये स्वागत मूल्य 1/–रूपये

पीएम धन–धान्य कृषि योजना को केंद्रीय कैबिनेट की मंजूरी

हर साल खर्च होंगे 24000 करोड़

● कैबिनेट बैठक में शुभांशु के लिए प्रस्ताव पारित, कहा– विकसित भारत के संकल्प को मिलेगी ऊर्जा

नई दिल्ली,(एजेंसी)। कैबिनेट ने 36 योजनाओं को मिलाकर 24,000 रुपये प्रति वर्ष के परिव्यय वाली प्रधानमंत्री धन–धान्य कृषि योजना को मंजूरी दे दी है। आइए कैबिनेट के अहम फैसलों पर एक नजर डालें। केंद्रीय कैबिनेट ने 36 योजनाओं को मिलाकर 24,000 रुपये प्रति वर्ष के परिव्यय वाली प्रधानमंत्री धन–धान्य कृषि योजना को मंजूरी दी। सूचना व प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने यह एलान किया है। सरकार ने एनएलसीआईएल को नवीकरणीय ऊर्जा में निवेश के लिए 7,000 करोड़ रुपये की भी मंजूरी दे दी है। इसके अलावे कैबिनेट ने एनटीपीसी को नवीकरणीय ऊर्जा में निवेश के लिए 20,000 करोड़ रुपये की मंजूरी देने पर भी अपनी मुहर लगा दी है। क्या है प्रधानमंत्री धन–धान्य कृषि योजना? मंत्रिमंडल ने बुधवार को छह साल की अवधि के लिए प्रधानमंत्री धन–धान्य कृषि योजना को मंजूरी दी है। इसके तहत हर वर्ष 24,000 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे और इसमें 100 जिले शामिल होंगे। केंद्रीय बजट में घोषित यह कार्यक्रम 36 मौजूदा योजनाओं को एकीकृत करेगा और फसल विविधीकरण और टिकाऊ कृषि पद्धतियों को अपनाने मदद देगा। भंडारण और सिंचाई सुविधाओं में होगा सुधार केंद्रीय मंत्रिमंडल में लिए गए निर्णय के बारे में जानकारी साझा करते हुए, सूचना व प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि पीएम धन–धान्य कृषि योजना से फसल के बाद भंडारण में वृद्धि होगी, सिंचाई सुविधाओं में सुधार होगा और कृषि उत्पादकता में वृद्धि होगी। इस कार्यक्रम से 1.7 करोड़ किसानों को लाभ मिलने की संभावना है। एनएलसी इंडिया एनआईआरएल में कर

सकेगा 7000 करोड़ रुपये का निवेश सरकार ने बुधवार को एनएलसी इंडिया को अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली इकाई एनआईआरएल में 7,000 करोड़ रुपये निवेश करने की अनुमति दे दी। यह निर्णय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति की ओर से लिया गया।

श्रीलंकाई प्रतिनिधिमंडल ने की विदेश सचिव विक्रम मिस्री से मुलाकात

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। श्रीलंका के 14 राजनीतिक दलों के 24 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को राष्ट्रीय राजधानी में विदेश सचिव विक्रम मिस्री से मुलाकात की। यह प्रतिनिधिमंडल दो सप्ताह के लिए भारत में रहेगा और इसका उद्देश्य 'पड़ोसी पहले' की नीति को ध्यान में रखते हुए भारत–श्रीलंका साझेदारी को और मजबूत करना है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया'एक्स' पर पोस्ट किया,"श्रीलंका के 14 राजनीतिक दलों के युवा नेताओं के 24 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने भारत में अपने दो सप्ताह के कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए विदेश सचिव विक्रम मिस्री से मुलाकात की। विदेश सचिव ने भविष्य के रोडमैप में हितधारकों के रूप में भारत–श्रीलंका साझेदारी को मजबूत करने में 'पड़ोसी पहले' की नीति पर अपनी महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया।

श्रीलंका के प्रतिनिधिमंडल की यह यात्रा अप्रैल 2025 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की श्रीलंका की 'बेहद उपयोगी' यात्रा के बाद हो रही है।" उन्होंने कहा कि श्री मोदी की इस यात्रा ने भारत की श्पड़ोसी पहले नीतिश और श्महासागरश दृष्टिकोण के अंतर्गत द्वीपीय राष्ट्र की महत्वपूर्ण स्थिति को और मजबूत किया। गौरतलब है कि राष्ट्रपति दिसानायके के निमंत्रण पर वर्ष 2015 के बाद से श्रीलंका की अपनी चौथी यात्रा के दौरान श्री मोदी ने श्रीलंकाई राष्ट्रपति के साथ व्यापक वार्ता की थी। दोनों नेताओं के बीच चर्चा साझा इतिहास पर आधारित और मजबूत जन–जन संपर्कों द्वारा संचालित विशेष और घनिष्ठ द्विपक्षीय संबंधों को और गहरा करने पर केंद्रित रहीं। दोनों देशों के शीर्ष नेताओं ने संपर्क, विकास सहयोग, आर्थिक संबंधों, रक्षा संबंधों, सुलह प्रयासों और मछुआरों के स्थायी मुद्दे सहित विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग की व्यापक समीक्षा की। श्री मोदी ने भारत की श्पड़ोसी प्रथम नीतिश और श्महासागर विजनश में श्रीलंका के सर्वोच्च महत्व को दोहराते हुए श्रीलंका के आर्थिक सुधार और स्थिरीकरण में सहायता के लिए भारत की अटूट प्रतिबद्धता की पुष्टि की थी।

ऑपरेशन सिंदूर पर बोले सीडीएस जनरल अनिल चौहान

'पाकिस्तानी ड्रोन और गोला–बारूद से भारत को कोई नुकसान नहीं'

नई दिल्ली,(एजेंसी)। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने मानेकशॉ सेंटर में यूएवी और सी–यूएएस के क्षेत्रों में विदेशी निर्माताओं से आयात किए जा रहे महत्वपूर्ण उत्पादों पर लगी प्रदर्शनी का दौरा किया। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने हमें दिखाया है कि हमारे इलाके के लिए स्वदेशी रूप से विकसित काउंटर–यूएएस सिस्टम क्यों महत्वपूर्ण हैं? सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने बुधवार को कहा कि 10 मई को ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान ने निहत्थे ड्रोन और गोला–बारूद का इस्तेमाल किया। इनमें से किसी ने भी भारतीय सैन्य या नागरिक बुनियादी ढांचे को कोई नुकसान नहीं पहुंचाया। अधिकांश को निष्प्रभावी कर दिया गया और कुछ को लगभग सही हालत में बरामद भी किया गया। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने मानेकशॉ सेंटर में यूएवी और सी–यूएएस के क्षेत्रों में विदेशी निर्माताओं से आयात किए जा रहे महत्वपूर्ण उत्पादों के स्वदेशीकरण पर लगी प्रदर्शनी का दौरा किया।

इस दौरान उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने हमें दिखाया है कि हमारे इलाके के लिए स्वदेशी रूप से विकसित काउंटर–यूएएस सिस्टम क्यों महत्वपूर्ण हैं? हमें अपनी सुरक्षा के लिए निवेश और निर्माण करना होगा। युद्ध में ड्रोन के इस्तेमाल पर उन्होंने कहा कि आपको क्या लगता है कि क्या ड्रोन युद्ध में विकासवादी बदलाव ला रहे हैं या क्रांतिकारी बदलाव? मुझे लगता है कि उनका विकास विकासवादी है और युद्ध में उनका इस्तेमाल बहुत क्रांतिकारी रहा है। जैसे–जैसे ड्रोन की तैनाती और दायरा बढ़ा, सेना ने क्रांतिकारी तरीके से ड्रोन का इस्तेमाल करना शुरू कर दिया, आपने हमारे द्वारा लड़े गए कई युद्धों में ऐसा देखा है। सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने कहा कि वैश्विक स्तर पर हाल के संघर्षोंने यह साफ हुआ है कि ड्रोन किस तरह से सामरिक संतुलन को असमान रूप से बदल सकते हैं। असममित ड्रोन युद्ध बड़े प्लेटफार्मों को कमजोर बना रहा है और सेनाओं को वायु सिद्धांतों, सी–यूएएस के विकास के अनुकूली कदमों के वैचारिक पहलुओं पर पुनर्विचार करने के लिए प्रेरित कर रहा है। सीडीएस ने कहा कि हम आयातित विशिष्ट प्रौद्योगिकियों पर भरोसा नहीं कर सकते।

शाहरुख से शादी... उदित से अफेयर, पति को फंसाने के लिए किया मासूम बेटी का कत्ल, 'कातिल मां' रोशनी की कहानी

लखनऊ। लखनऊ में मासूम बेटी की हत्या का आरोप उसकी मां पर लगा है। प्रेमी के साथ मिलकर मां ने छह साल की बेटी की हत्या पति को फंसाने के लिए की। आइए जानते हैं कातिल रोशनी की कहानी यूपी की राजधानी लखनऊ में एक महिला रोशनी खान ने अपने प्रेमी उदित के साथ मिलकर अपनी छह साल की मासूम बेटी को मार डाला। 36 घंटे तक मासूम बच्ची का शव घर में सड़ता रहा, लेकिन महिला ने किसी को भनक तक न लगने दी। साजिश के तहत बेटी की हत्या का इल्जाम अपने पति शाहरुख खान पर लगाया। हालांकि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य सबूतों ने रोशनी की पोल खोलकर रख दी। लखनऊ पुलिस ने हत्या की आरोपी रोशनी खान और उसके प्रेमी उदित को गिरफ्तार कर लिया है। आइए जानते हैं आखिर बार डांसर के नाम से मशहूर रोशनी ने अपनी छह साल की मासूम बेटी को क्यों मार डाला और वो कैसे पति को छोड़ प्रेमी उदित के करीब आ गई। कैसे शाहरुख खान और रोशनी की मुलाकात हुई थी। 10 साल पहले हुई थी रोशनी और शाहरुख की शादी पूरा मामला लखनऊ के कैसरबाग के खंदारी बाजार इलाके का है। यहां रहने वाले शाहरुख खान की मुलाकात रोशनी से समिट बिल्डिंग में पार्टी के दौरान हुई थी। इसी दौरान दोनों करीब आ गए थे। 10 साल पहले दोनों ने शादी कर ली थी। दोनों के एक बेटी हुई। कुछ दिन बाद से दोनों में अक्सर विवाद होना लगा। रोशनी को डांसर के नाम से भी जानते हैं लोग रोशनी को डांस का शौक था

और वह अक्सर क्लबों में डांस करने जाती थी। रोशनी को डांसर के नाम से भी लोग जानते हैं। क्लब जाने के दौरान ही रोशनी का संपर्क उदित से हो गया था। इसके बाद से उसका शाहरुख खान से विवाद बढ़ता गया। पति को छोड़ प्रेमी के साथ लिव–इन में रहने लगी रोशनी धीरे–धीरे दोनों के रिश्ते बिगड़ते चले गए। उदित और रोशनी के बीच बातचीत होने लगी, दोनों की नजदीकी और बढ़ गई, फिर वो साथ आ गए। रोशनी पति को छोड़कर प्रेमी उदित के साथ लिव–इन में रहने लगी। रोशनी के साथ उसकी छह साल की बेटी भी थी। ननदों को भी जेल भिजवा चुकी है रोशनी आरोप है कि महिला रोशनी ने पति के फ्लैट पर कब्जा करने की नीयत से शाहरुख और उसके परिजनों पर मारपीट समेत कई गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज करा दिया। रोशनी अपने जेठ सलमान, सास परवीन और दो ननदों रुखसार और रूमी के खिलाफ अलग–अलग मामलों में केस दर्ज कराकर सभी को जेल भिजवा चुकी है। इसके बाद रोशनी ने मई माह में पति शाहरुख के साथ मारपीट की और उसको उसी के घर से बाहर कर दिया। फ्लैट से अलग किराए के कमरे में रहता है शाहरुख रोशनी ने खंदारी बाजार स्थित शाहरुख के चौथे फ्लोर पर बने फ्लैट पर कब्जा जमा लिया और उदित के साथ उसी में रहने लगी। परेशान होकर शाहरुख ने 18 मई को रोशनी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई थी। इसके बाद से रोशनी किसी भी हाल में शाहरुख को भी जेल भिजवाना चाहती थी। शाहरुख फ्लैट से अलग किराए के कमरे में रहता है। घटना वाले दिन यानी सोमवार रात शाहरुख खान फ्लैट पर अपनी बेटी से मिलने पहुंचा था। इसी दौरान पत्नी रोशनी और उसके बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया, वह वहां से लौट आया। रोशनी ने गुस्से में अपनी बेटी का गला दबाकर हत्या कर दी। फिर पति को फंसाने के लिए करीब 36 घंटे बाद पति को फंसाने के लिए पुलिस को बेटी की हत्या की सूचना दी। डीसीपी पश्चिम विश्वजीत श्रीवास्तव के मुताबिक सोमवार देर रात रोशनी ने पुलिस को फोन कर बताया कि पति ने बेटी सोना की हत्या कर दी है। फोरेंसिक टीम के साथ पुलिस मौके पर पहुंची। रोशनी की तहरीर पर पति शाहरुख के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर छानबीन शुरू की गई। पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया कि रोशनी की उसके पति से पिछले दो साल से अनबन है। रोशनी प्रेमी के साथ लिव–इन में रह रही है। सोमवार रात को शाहरुख बेटी से मिलने आया था। इसी दौरान पति पत्नी में विवाद हो गया। झगड़े के बाद शाहरुख चला गया। पूछताछ में शाहरुख ने पुलिस को रात का घटनाक्रम बताया। पुलिस ने शाहरुख की लोकेशन निकलवाने के बाद शक पर रोशनी और उदित से पूछताछ की। रोशनी लगातार अपने बयान बदलती रही। पुलिस ने सख्ती की तो उसने हत्या की बात कबूल कर ली। पुलिस की पूछताछ में रोशनी ने बताया कि वह शाहरुख को जेल भिजवाना चाहती थी। इसके लिए उसने प्रेमी के साथ मिलकर हत्या की साजिश रची थी। उदित से पुलिस ने पूछताछ की तो वह टूट गया और उसने हत्या की कहानी बयां कर दी। आरोपी ने बताया कि उन्होंने रविवार को ही सोना की हत्या कर दी थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में भी इसकी पुष्टि हुई है कि हत्या के 36 घंटे बाद पुलिस को घटना की सूचना दी गई थी।

बारिश से उफान पर गंगा और यमुना, इन जिलों में गहराया बाढ़ का खतरा

लखनऊ,(यूएनएस)। समूचे उत्तर भारत में रुक रुक कर हो रही बारिश के बीच उत्तर प्रदेश में गंगा यमुना समेत अधिसंख्य नदियों का जलस्तर बढ़ने से बाढ़ का खतरा गहराने लगा है। प्रयागराज, वाराणसी, कानपुर, बहराइच और कन्नौज समेत अधिसंख्य इलाकों में जिला प्रशासन ने बाढ़ से बचाव के लिये समुचित इंतजाम किये है। बाढ़ चौकियों से नदियों के जलस्तर की निगरानी की जा रही है। प्रयागराज में गंगा और यमुना नदियों का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है जिसके चलते नागवासुकी, छोटा बघाड़ा, सलोरी, दारागंज,और कछारी जैसे निचले इलाकों में पानी भरने लगा है। हालांकि अभी गंगा और यमुना नदियां खतरे के निशान से नीचे हैं, फिर भी खतरा टला नहीं है। दोनों नदियों में लाल निशान 84.73 मीटर निर्धारित है, और जलस्तर तेजी से इस दिशा में बढ़ रहा है। इसे देखते हुए प्रशासन ने पूरी सतकर्ता बरतनी शुरू कर दी है। संभावित बाढ़ प्रभावित इलाकों को खाली कराया जा रहा है। लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है और राहत कैंप भी तैयार किए गए हैं। बाढ़ नियंत्रण कक्ष को 24 घंटे एक्टिव मोड में रखा गया है, जहां से हर इलाके की निगरानी की जा रही है। कंट्रोल रूम में जल निगम, जलकल, स्वास्थ्य विभाग और एनडीआरएफ की टीमें समन्वय के साथ काम कर रही हैं। स्थानीय नागरिकों से अपील भी की गई है कि वे प्रशासन के निर्देशों का पालन करें अपने और अपने परिवार की सुरक्षा को देखते हुए सुरक्षित स्थानों पर रहें। वाराणसी से प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार गंगा के बढ़ते जलस्तर की वजह से हजारों नाविकों और घाट किनारे छोटे दुकानदारों की जीविका पर संकट गहरा गया है। केंद्रीय जल आयोग की रिपोर्ट के अनुसार, काशी में गंगा का चेतावनी बिंदु 70.26 मीटर है, जबकि जलस्तर 68.70 मीटर तक पहुंच गया है। गंगा चेतावनी बिंदु से मात्र 1.56 मीटर नीचे बह रही है। मां गंगा निषाद राज सेवा न्यास के संगठन मंत्री शंभू निषाद ने बताया कि रामनगर से लेकर आदिकेशव घाट के बीच एक हजार से ज्यादा नावें, मोटरबोट और बजड़े चलते हैं। नावों और मोटरबोट के संचालन पर रोक के कारण हजारों नाविकों के सामने परिवार चलाने की समस्या खड़ी हो गई है। इसके अलावा, घाटों के किनारे सैकड़ों छोटे दुकानदारों की जीविका पर भी संकट आ गया है। गंगा के बढ़ते जलस्तर ने लोगों के जीवन पर गहरा असर डालना शुरू कर दिया है। घाट किनारे माला–फूल की दुकान लगाने वाली सरोज ने बताया कि इस दौरान एक महीने तक काफी परेशानी होती है। दशाश्वमेध घाट पर स्थित शीतला मंदिर में पानी प्रवेश कर चुका है।

कुत्तों की नसबंदी की ट्रेनिंग देगा नगर निगम, जरहरा पशु चिकित्सालय में बनाया देश का पहला प्रशिक्षण केंद्र

लखनऊ। लखनऊ के इंदिरा नगर के जरहरा पशु चिकित्सालय में देश का पहला प्रशिक्षण केंद्र बनाया गया है। इसमें 2.5 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं। 15 दिन में काम शुरू हो जाएगा। नसबंदी कर कुत्तों की आबादी कैसे – नियंत्रित की जाए, नगर निगम इसकी ट्रेनिंग देशभर के निकायों को देगा। इसके लिए नगर निगम ने इंदिरानगर के जरहरा पशु चिकित्सालय में ट्रेनिंग सेंटर बनाया है। ट्रेनिंग देने के लिए संस्था का भी चयन हो गया है। 15 दिन में काम भी शुरू हो जाएगा। आवारा कुत्तों के काटने, दौड़ाने के कारण आए दिन हादसे हो रहे हैं। कई लोगों की जान भी ऐसे हादसों के कारण जा चुकी है। कुत्तों की आबादी नियंत्रित करने के लिए और नसबंदी केंद्र बनाने की मांग उठ रही है। प्रदेश में लखनऊ में ही अभी कुत्तों की नसबंदी का केंद्र है।

मालिक मुद्रक, प्रकाशक, आशीष सेंगर द्वारा विभा प्रिंटर्स मुन्शी गजाधर सिंह मार्ग,हाथरस से मुद्रित एवं प्रधान कार्यालय मुन्शी गजाधर सिंह मार्ग सरस्वती कुंज हाथरस से प्रकाशित।
RNI- UPHIN/2007/23475
सम्पादकः अंजली शर्मा
मो. 9410427880 09319426268
Email:-
bhavyaprabhat@gmail.com
समस्त समाचारों के चयन एवं उनसे उत्पन्न विवादों के लिये पी.आर.बी.एक्ट के तहत जिम्मेदार।
समस्त विवादो का न्याय क्षेत्र हाथरस होगा।

छपाई
बिल बुक,लेटर पैड,पम्पलेट
पोस्टर,शादी कार्ड,अखबार
छपाई
आधुनिक कम्प्यूटराइज्ड मशीन द्वारा साफ सुन्दर एवं कलात्मक छपाई
विभा प्रिन्टर्स
मुंशी गजाधर सिंह मार्ग,अलीगढ़ रोड, हाथरस
मो० 9410427880 ,9319426268

जिला खाद्य विपणन अधिकारी ने सासनी उपमण्डी स्थित मक्का क्रय केन्द्र का किया निरीक्षण

मक्का विक्रय हेतु कृषकों द्वारा खाद्य विभाग के पोर्टल www.fcs.up.gov.in पर पूर्व से पंजीकरण कराना अनिवार्य

(भव्य प्रभात)

हाथरस । जिलाधिकारी राहुल पाण्डेय द्वारा दिये गये निर्देशों के क्रम में जनपद में मक्का खरीद के दृष्टिगत जिला खाद्य विपणन अधिकारी शिशिर कुमार द्वारा सासनी उपमण्डी स्थित क्रय संस्था खाद्य विभाग के अन्तर्गत संचालित मक्का क्रय केन्द्र का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के समय कृषक श्री नेत्रपाल सिंह पुत्र श्री साहब सिंह निवासी– ग्राम बांधनु (शिकोहाबाद) (पंजी0सं0–1440139045) के मक्का की खरीद की जा रही थी। लगभग 100 कु0 मक्का विक्रय हेतु लाया गया। कृषक द्वारा अवगत कराया गया कि लगभग 200 कु0 मक्का विक्रय हेतु लाया जायेगा। क्रय केन्द्र प्रभारी द्वारा अवगत कराया गया कि मक्का की नमी 13.8 है।

जिलाधिकारी द्वारा जनपद में मूल्य समर्थन योजनान्तर्गत मक्का क्रय हेतु क्रय संस्था खाद्य विभाग के 07, मक्का क्रय केन्द्र अनुमोदित किये गये हैं। तहसील हाथरस में 02, तहसील सादाबाद में, 02, तहसील सिकन्द्राराऊ में 02 तथा तहसील सासनी में 01, कुल 07 (सात) मक्का क्रय केन्द्र संचालित हैं। सभी क्रय केन्द्र सम्बन्धित तहसील के मण्डी समिति परिसर में संचालित हैं।

मक्का खरीद वर्ष 2024–25 दिनांक 31 जुलाई, 2025 तक जारी रहेगी। .षकों को अधिक से अधिक लाभान्वित कराये जाने की मंशा से शासन द्वारा मक्का का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2225 / – प्रति कुन्तल निर्धारित किया गया है। मक्का विक्रय हेतु कृषकों द्वारा खाद्य विभाग के पोर्टल www-fcs-up-gov-in पर पूर्व से पंजीकरण कराना अनिवार्य होगा तथा पंजी.त कृषकों से ही मक्का क्रय किया जायेगा। शिकायत, सुझाव एवं समस्या निराकरण हेतु विभाग का टोल फ्री नम्बर 18001800150 है। मक्का खरीद हेतु अन्य जानकारी के लिये जिला खाद्य विपणन अधिकारी के मोबाइल नं0 9415248592 पर सम्पर्क किया जा सकता है। जनपद में अब तक 29 कृषकों से 1174.50 कु0 मक्का की खरीद की गयी है जिसमें 24 कृषकों का भुगतान पी0एफ0एम0एस0 पोर्टल के माध्यम से भुगतान हो गया हैं। अवशेष कृषकों का भुगतान प्रक्रियाधीन है। जनपद में अबतक मक्का विक्रय हेतु 130 .षकों द्वारा पंजीयन कराया जा चुका है जिसमें से 104 पंजीकरण सम्बन्धित तहसील के स्तर से सत्यापित किये जा चुके हैं।

मक्का विक्रय हेतु पंजीकृत कृषकों से अपील है कि क्रय केन्द्रों पर साफ एवं सूखा मक्का लायें। नमी की अधिकतम मानक सीमा 14.0 प्रतिशत निर्धारित है।

बिजली उपभोक्ताओं की शिकायतों के निस्तारण हेतु १७ ,१८ व १९ जुलाई को लगेंगे मेगा कैम्प

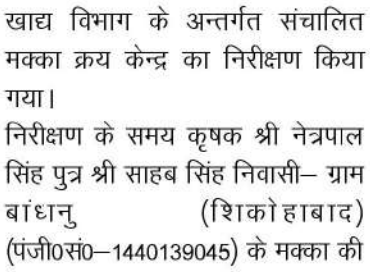

(भव्य प्रभात)

हाथरस। बिजली उपभोक्ताओं को अब अपनी शिकायत के लिये बजिली आफिस के चक्कर लगाने की आवश्यकता नही पडेगी। विभाग द्वारा उपभोक्ताओं की समस्या निस्तारण हेतु मैगा कैम्प लगाये जा रहे है जिनमें उपभोक्ता एक ही स्थान पर समस्या का निस्तारण किया जायेगा।

अधीक्षण अभियंता बिजली विभाग ने जानकारी देते हुये बताया कि उच्च अधिकारियों से प्राप्त निर्देशों के अनुसार जनपद के अन्तर्गत खण्डवार दिनांक 17.7.2025, 18.7.2025 एवं 19.7.2025 को प्रातः 10:00 बजे से सांय 5:00 बजे तक मेगा कैम्पों का आयोजन किया जाना प्रस्तावित है, जिसमें उपभोक्ताओं की प्रत्येक शिकायत का पंजीकरण 1912–हैल्प डैस्क पर सुनिश्चित किया जायेगा तथा उपभोक्ताओं की किसी भी प्रकार की विद्युत समस्या यथा बिल संशोधन, मीटर का बदला जाना, विद्युत बिल का जमा किया जाना आदि समस्त कार्य एवं शिकायतों का निस्तारण मेगा कैम्प में एकल खिडकी पर सुनिश्चित किया जायेगा।

यहाँ लगाये जायेगें कैम्प

1. विद्युत नगरीय वितरण खण्ड, हाथरस (अधिशासी अभियन्ता मो0 9412748438)
दिनांक 17.7.2025– उपखण्ड कार्यालय प्रथम , द्वितीय, हाथरस
33 / 11 केवी न्यू कोटा रोड, वाटर वर्क्स, हाथरस दिनांक 18.7.2025–33 / 11 केवी प्रगतिपुरम, नवीपुर, गिजरौली दिनांक 19.7.2025–33 / 11 केवी उपकेन्द्र हाथरस टाउन एवं गा० कांशीराम योजना
2. विद्युत वितरण खण्ड, ओढपुरा (अधिशासी अभियन्ता मो0 9193304404)
दिनांक 17.7.2025–33 / 11 केवी उपकेन्द्र, मुरसान दिनांक 18.7.2025–33६ 11 केवी उपकेन्द्र मैडू दिनांक 19.7.2025–33 / 11 केची उपकेन्द्र गिजरौली ग्रामीण
3. विद्युत वितरण खण्ड, सासनी (अधिशासी अभियन्ता मो0 9193304200)
दिनांक 17.7.2025–33 / 11 केवी उपकेन्द्र, सासनी
दिनांक 18.7.2025– 33 / 11 केवी उपकेन्द्र सिकन्द्राराऊ
दिनांक 19.7.2025– 33 / 11 केवी उपकेन्द्र हसायन
4. विद्युत वितरण खंण्ड, सादाबाद (अधिशासी अभियन्ता मो० 9193306028)
दिनांक 17.7.2025– बिसावर पैंठ पर
दिनांक 18.7.2025–33 / 11 केवी उपकेन्द्र सहपऊ
दिनांक 19.7.2025– सहकारी समिति कुरसण्डा

सासनी पुलिस ने बीस क्वार्टर अवैध देशी शराब के साथ किया गिरफ्तार

(भव्य प्रभात)

हाथरस। पुलिस अधीक्षक चिरंजीव नाथ सिन्हा के आदेशानुसार चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक के निर्देषन एवं क्षेत्राधिकारी सादाबाद के निकट पर्यवेक्षण में थाना सासनी पुलिस द्वारा मुखबिर की सूचना पर कार्यवाही करते हुए एक अभियुक्त को केषव किरन स्कूल के पास से गिरफ्तार किया गया है । जिसका नाम प्रमोद कुमार पुत्र तेजवीर सिंह निवासी ग्राम सठिया थाना सासनी जनपद हाथरस है। जिसके कब्जे से बीस क्वार्टर अवैध देषी षराब बरामद हुई है । अभियुक्त की गिरफ्तारी एवं बरामदगी के सम्बन्ध में थाना सासनी पर सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर आवष्यक विधिपूर्ण कार्यवाही की जा रही है ।

हाथरस में १७ व १८ जुलाई को भारी वर्षा का अलर्ट

(भव्य प्रभात)

हाथरस । प्रभारी अधिकारी (दै0 आपदा) ने अवगत कराया है कि भारतीय मौसम विज्ञान विभाग, लखनऊ केन्द्र के नवीन बुलेटिन के अनुसार दिनांक 16–17 जुलाई 2025 (2 दिन) तक जनपद में भारी वर्षा का ऑरेंज अलर्ट है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग, लखनऊ द्वारा अवगत कराया गया है कि उत्तर प्रदेष राज्य के जनपद में कुछ स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है साथ ही बिजली के साथ गरज के साथ तीव्र से अत्यंत तीव्र अलग–अलग स्थानों पर हवाएं चलने की संभावना है। ऐसी स्थिति में आम जनमानस से अनुरोध,अपील है कि कृपया भारी वर्षाध्वज्रपात के दौरान निम्न उपायध्सावधानियां अपनाऐं।

रेडियो,टेलीविजन,सोषल मीडिया के माध्यम से निरंतर जानकारी प्राप्त करते रहें। पुराने जर्जर भवनों कच्ची दीवारों से सावधान रहें। अत्यंत आवष्यक कार्य होने पर ही घर से बाहर निकले। धातु की डं< डी वाले छाते का उपयोग न करें। विद्युततारध्विद्युत पोलध्पेडों के नीचे अथवा आसपास न खड़े हों। यदि खेतों में पहले से ही कटी फसल रखी हो तो सुरक्षित स्थान पर ढक कर रख लें। कृशक वर्शा के दौरान खेतों पर न जाएं। पषुओं को बारिष में बचाने हेतु सुरक्षित स्थान र बांधे। किसी प्रकार की चिकित्सीय सहायता हेतु टोल फ्री नंबर 108ध्102 पर कॉल कर सहायता प्राप्त कर सकते हैं। भारी बरसात से किसी भी प्रकार की घटनाध्सहायता हेतु अपने क्षेत्रीय लेखपालध्तहसीलध्जिला मुख्यालय पर स्थापित कंट्रोल रूम नं0 से संपर्क करें। वज्रपात की पूर्व चेतावनीध अलर्ट प्रेशित करने वाली एप्लीकेषन "दामिनी ऐप एवं सचेत ऐप" को अपने मोबाइल में डाउनलोड कर ले। आपात स्थिति में टोर्च, रेन कोट इत्यादि का प्रयोग करे।

किसी भी जानकारी के लिये जिला आपदा विषेशज्ञ एवं आपदा नियंत्रण कक्ष हाथरस के विभिन्न नं0–05722–297041, 42, 9520782782, 9454417798, 9456445032 एवं विद्युत विभाग कन्ट्रोल रुम नं0. 9193304441 तथा प्रभागीय वनाधिकारी कन्ट्रोल रुम नं0. 9457110033, 8077099962, 9058001761 पर संपर्क कर सकते है।

२० जुलाई से १० अगस्त तक होगा खाद्यान्न का निशुल्क वितरण

(भव्य प्रभात)

हाथरस । आयुक्त , खाद्य तथा रसद विभाग, उ0प्र0, जवाहर भवन, लखनऊ द्वारा दिये गये निर्देषों के क्रम में जिला पूर्ति अधिकारी ध्रुवराज यादव ने अवगत कराया है कि राश्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम–2013 के अन्तर्गत माह अगस्त, 2025 के सापेक्ष आवंटित खाद्यान्न का वितरण माह जुलाई में दिनांक 20.07.2025 से प्रारम्भ होकर माह अगस्त में दिनांक 10.08.2025 के मध्य कराये जाने के निर्देष दिये गये हैं। उक्त के क्रम में जनपद–हाथरस में माह अगस्त, 2025 के सापेक्ष आवंटित खाद्यान्न का समस्त पात्रगष्हस्थी राषन कार्डधारकों के समस्त यूनिटों पर 02 किग्रा० गेहूँ तथा 03 किग्रा० फोर्टीफाइड चावल (कुल 05 किग्रा० प्रति यूनिट) एवं जनपद के समस्त अन्त्योदय कार्डधारकों को प्रतिकार्ड 14 कि०ग्रा० गेहूँ तथा 21 कि०ग्रा० फोर्टीफाइड चावल (कुल 35 किग्रा0 प्रति कार्ड)) का निःषुल्क वितरण दिनांक 20.07.2025 से 10.08.2025 के मध्य कराया जायेगा।

समस्त पात्र गष्हस्थी एवं अन्त्योदय कार्डधारक माह अगस्त, 2025 के सापेक्ष आवंटित खाद्यान्न का वितरण माह जुलाई में दिनांक 20.07.2025 से प्रारम्भ होकर माह अगस्त में दिनाक 10.08.2025 के मध्य उपरोक्तानुसार आवंटित आवष्यक वस्तुओं की मात्रा प्राप्त कर सकते हैं। आधार प्रमाणीकरण के माध्यम से खाद्यान्न प्राप्त न कर सकने वाले कार्डधारकों हेतु वितरण की अन्तिम तिथि 10.08.2025 को मोबाइल ओ०टी०पी० वेरीफिकेषन के माध्यम से वितरण कराया जायेगा। खाद्यान्न के निःषुल्क वितरण में पोर्टेबिलिटी ट्रान्जेक्षन की सुविधा उपलब्ध रहेगी। विक्रेता अपनी दुकान में उपलब्ध स्टॉक की सीमा तक पोर्टेबिलिटी ट्रान्जेक्षन कर सकेंगे। किसी भी असुविधा,षिकायत की स्थिति में सम्बन्धित तहसील स्थित आपूर्ति कार्यालय, जिला पूर्ति कार्यालय में सम्पर्क किया जा सकता है।

आज हाथरस आयेगें भारत तिब्बत सहयोग मंच के राष्ट्रीय महामंत्री

(भव्य प्रभात)

हाथरस। भारत तिब्बत सहयोग मंच के राश्ट्रीय महामंत्री कपिल त्यागी भाई साहब का प्रथम बार नगर में 17 जुलाई 2025 दिन गुरुवार को कैंप कार्यालय होटल श्री बालाजी काम्प्लेक्स सर्कुलर रोड पर आगमन हो रहा है। जहां उनका प्रवास प्रातः 10:00 बजे से दोपहर3:00 तक होगा भाई साहब द्वारा संगठन की कार्य प्रणाली पर विस्तार पूर्वक चर्चा एवं आगामी योजनाओं पर सामाजिक कर्तव्य पर चर्चा तिब्बत की आजादी कैलाष मानसरोवर की मुक्ति का भारत पर प्रभाव आदि पर विस्तार पूर्वक चर्चा करेंगे ब्रज प्रांत के सभी पदाधिकारी एवं सदस्य गणों से अनुरोध है कि समय से उपस्थितहोकर राश्ट्रीय हित में भाई साहब के विचारों को सुनकर कार्यक्रम को सफल बनाये सभी कार्यकर्ता चर्चा एवं स्वागत हेतु अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित हो और कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना योगदान दें।

किसान दिवस पर जिलाधिकारी ने सुनी किसानों की समस्यायें

●अधिकारियो को कृषकों की समस्याओ का शीघ्र निस्तारण करने व विभागो द्वारा आयोजित प्रदर्शनों की जानकारी उपलब्ध कराने के निर्देश

(भव्य प्रभात)

हाथरस । विकास भवन सभागार में आयोजित किसान दिवस के मौके पर जिलाधिकारी राहुल पाण्डेय ने किसानों की समस्याओं को सुना और सम्बन्धित अधिकारियों को प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण कराने एवं शिकायकर्ता को अवगत कराने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने सर्वप्रथम विगत किसान दिवस में प्राप्त शिकायतों की समीक्षा की एवं किसानों की समस्याओं को सुना और सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिये कि किसान दिवस में प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करते हुए शिकायकर्ता को अवगत कराना सुनिश्चित करें। उन्होने किसानों को सम्बन्धित विभागों द्वारा दी जाने वाली योजनाओं का लाभ पूरी पारदर्शितापूर्ण मुहैया कराने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रभारी कृषि विज्ञान केन्द्र को निर्देश दिये कि कृषि विज्ञान केन्द्र पर आयोजित कराये जा रहे तिल प्रदर्शन कृषकों को दिखाया जाये ताकि जो 20 हे0 का तिल बीज कृषि विज्ञान केन्द्र हाथरस द्वारा निशुल्क वितरण किया जा रहा है उसकी जानकारी हो सके। उन्होंने जिला कृषि अधिकारी को ग्लूट्रेप,फैरोमेन ट्रेप निजी विक्रेता पर उपलब्ध कराये जाने के निर्देश दिए। कृषकों की समस्या का निदान करने हेतु अवगत कराया कि विद्युत विभाग द्वारा दिनांक 17 से 19 तक जनपद के गाँव में मेगा कैम्प लगाये जा रहे है, जिसमें उपभोक्ताओ की प्रत्येक शिकायतो का पंजीकरण 1912 हेल्प डेस्क पर सुनिश्चित किया जायेगा तथा उपभोक्ताओ की किसी भी प्रकार की विद्युत समस्या, मीटर का बदला जाना, विद्युत बिल का जमा किया जाना आदि समस्त कार्य एवं शिकायतो का निस्तारण मेगा कैम्प में एकल खिड़की पर सुनिश्चित किया जायेगा व जनपद में कन्ट्रोल रूम दूरभाष संख्या 9193304441 पर भी विद्युत सम्बन्धित शिकायत दर्ज की जा सकती है। उन्होंने उपस्थित सभी अधिकारियो को कृषकों की समस्याओ का शीघ्र निस्तारण करने के साथ ही विभागो द्वारा आयोजित कराये जा रहे प्रदर्शनों की जानकारी कृषकों को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आयोजित प्रदर्शनो का भ्रमण कराने हेतु रोस्टर तैयार कर कृषकों का भ्रमण कराया जाये साथ ही जिन कृषकों को प्रदर्शन का लाभ दिया गया है उनको भी किसान दिवस में आमन्त्रित किया जाये ताकि अन्य कृषकों को प्रदर्शनों की जानकारी मिल सकें।

इस मौके पर मुख्य पशु चिकित्साधिकारी, जिला कृषि अधिकारी, मण्डी समिति, अधिशासी अभियन्ता विद्युत, सिचाई द्वारा कृषकों को सरकार द्वारा उपलब्ध करायी जा रही सुविधाओं की जानकारी दी गयी। कृषि विज्ञान केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिको द्वारा कृषकों को नवीन तकनीकी से खेती करने हेतु जानकारी दी गयी।

बैठक के अंत में उप कृषि निदेशक द्वारा किसानो की समस्याओं का निराकरण कर आश्वासन देते हुए सभी उपस्थित कृषकों एवं अधिकारियो को धन्यवाद ज्ञापित कर किसान दिवस के समापन की घोषणा की गई। जिला विकास अधिकारी, उप कृषि निदेशक, के साथ कृषि से सम्बन्धित समस्त अधिकारी आदि उपस्थित रहे।

२९ अगस्त को को होगा ११४वां लख्खी मेला श्री दाउजी महाराज का शुभारम्भ

सुप्रसिद्ध एवं ऐतिहासिक ११४वां लख्खी मेला श्री दाउजी महाराज को भव्य एवं सकुशल सम्पन्न कराने के लिये प्रशासनिक तैयारियाँ की शुरू

(भव्य प्रभात)

हाथरस। जिलाधिकारी राहुल पाण्डेय ने पुलिस अधीक्षक चिरंजीव नाथ सिंहा के साथ कलेक्ट्रेट सभागार में संबंधित विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक कर मेला आयोजन के संबंध में आवश्यक व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी कर दिशा निर्देश दिए।

बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने जानकारी दी कि परंपरागत रूप से गणेश चतुर्थी (27 अगस्त 2025) से विधिवत पूजा–अर्चना के साथ मेले का शुभारंभ किया जाएगा, जबकि बल्देव छठ (29 अगस्त 2025) को मेले का विधिवत उद्घाटन प्रस्तावित है। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश शासन द्वारा विगत वर्ष लख्खी मेला श्री दाउजी महाराज को राजकीय मेला घोषित किया गया था, जिससे इसकी महत्ता और भी बढ़ गई है।

जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी मेला आयोजन की समस्त व्यवस्थाओं को सुव्यवस्थित ढंग से क्रियान्वित किया जाए। इसके लिए समयबद्ध कार्य योजना तैयार करने, आवश्यक समितियों के गठन तथा आय–व्यय संबंधी कार्यों का समय से निष्पादन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी, अपर जिलाधिकारी (वित्तध्राजस्व), अपर जिलाधिकारी (न्यायिक), अपर पुलिस अधीक्षक, उप जिलाधिकारी हाथरस सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

आपराधिक मामलों में संलिप्त दोषियों को दिलायें कड़ी से कड़ी सजा :डीएम

● जनपद में कानून व्यवस्था को सुदृण बनाये रखने एवं अभियोजन कार्यो , नार्को कोआर्डिनेशन सेन्टर मैकेनिज्म समिति की कलेक्ट्रेट सभागार में हुई बैठक

(भव्य प्रभात)

हाथरस । जनपद में कानून व्यवस्था को सुदृण बनाये रखने एवं अभियोजन कार्यों, नार्को कोआर्डिनेशन सेन्टर मैकेनिज्म (NCORD) समिति के साथ कलेक्ट्रेट सभागर में बैठक करते हुए जिलाधिकारी राहुल पाण्डेय ने अभियोजन अधिकारियों को आपराधिक मामलों में संलिप्त दोषियों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही करते हुए कड़ी से कड़ी सजा दिलाने के निर्देश दिए।

बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने विभिन्न धाराओं के तहत लम्बित मामलों तथा गुण्डा एक्ट, महिला अपराधों के बारे में विस्तारपूर्वक चर्चा करते हुए अभियोजन अधिकारियो को गम्भीर मामलों में रिहा हुए वादो की विवेचना कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। पोक्सो के पुराने लंबित मामलों का प्राथमिकता के आधार पर चयन करते हुए निस्तारण करने की कार्यवाही को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने अभियोजन मामलों में अधिकारियों की जवाबदेही सुनिश्चित करने पर भी जोर देते हुए कहा कि अभियोजन कार्यों के प्रभावी और पारदर्शी निष्पादन से न्याय की प्रक्रिया को तेज किया जा सकेगा। जिलाधिकारी ने गैंगस्टर चार्ज पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता जताई तथा सभी अधिकारियों को गैंगस्टर गतिविधियों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही गैंगस्टर मामलों की सुनवाई में तेजी लाने हेतु अभियोजन पक्ष को और सक्रिय रूप से कार्य करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने महिला अपराधों के प्रति किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतने के निर्देश देते हुए अभियोजन विभाग के अधिकारियों से कहा कि शासन के निर्देशों का शत–प्रतिशत पालन किया जाए। मुकदमों में प्रभावी तरीके से पैरवी की जाए, महिलाओं से संबंधित जो मुकदमे जैसे हत्या, अपहरण, बलात्कार आदि घटनाओं का चार्ट अलग बनाया जाए। उन्होंने आपराधिक मामलों में लिप्त अपराधियों को सजा दिलाने हेतु न्यायालयों में मुकदमों की प्रभावी ढंग से पैरवी करने के लिये अभियोजन अधिकारियों को कडेनिर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गैंगस्टर, महिलाओं और बच्चों से संबंधित आपराधिक मामलों का निर्धारित समयावधि में निस्तारण कराया जाना सुनिश्चित करें। अपराध करने के पश्चात अपराधियों को सजा न मिलने पर उनका मनोबल बढ़ता है और आपराधिक घटनाओं में वृद्धि होती है। जो समाज के लिए ठीक नहीं है। अपराधी किसी भी दशा में सजा पाने से वंचित नही रहना चाहिए।

जिलाधिकारी ने आबकारी निरीक्षक को निर्देशित किया कि जनपद में अवैध मदिरा एवं नकलीध्जहरीली शराब की बिक्री पर प्रभावी अंकुश लगाने हेतु विशेष अभियान चलाया जाए। उन्होंने कहा कि ऐसे तत्व जो समाज को नुकसान पहुँचा रहे हैं, उनके विरुद्ध कठोर कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। जिलाधिकारी ने यह भी स्पष्ट किया कि शिक्षण संस्थानों के आसपास किसी भी प्रकार के नशीले पदार्थों की बिक्री पूर्णतः प्रतिबंधित होनी चाहिए। इसके लिए संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ निगरानी रखने और आवश्यकतानुसार कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रशासन आम जनता की सुरक्षा और स्वास्थ्य के प्रति पूर्णतः संवेदनशील है और किसी भी प्रकार की लापरवाही को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

बैठक के दौरान पुलिस अधीक्षक, मुख्य चिकित्साधिकारी, अपर जिलाधिकारी न्यायिक, उप निदेशक कृषि, जिला विद्यालय निरीक्षक, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी, जिला सूचना अधिकारी, जिला समाज कल्याण अधिकारी, आबकारी अधिकारी, अभियोजन अधिकारी, थानाध्यक्ष आदि उपस्थित रहे।

हनुमान चालीसा पाठ व शिव संकीर्तन का आयोजन

हाथरस। सिकंदराराऊ में विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल के तत्वावधान में नगर में धार्मिक एवं सांस्कृतिक चेतना को जागृत करने हेतु लगातार तीसरे वर्ष भी हर मंगलवार को मंदिरों में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया जा रहा है। सावन माह के विशेष अवसर पर इस मंगलवार को किशोरी वल्लभ मंदिर परिसर में शिव संकीर्तन एवं हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में स्थानीय श्रद्धालुओं, विशेषकर महिलाओं ने बढ़–चढ़कर सहभागिता की।

कार्यक्रम की विशेषता यह रही कि नगर के प्रख्यात कथावाचक शीलेन्द्र कृष्ण दीक्षित उर्फ शैलू पंडित जी ने आयोजन की भूरी–भूरी प्रशंसा की और इसे समाज के लिए एक सकारात्मक संदेश देने वाला कार्य बताया। उन्होंने नगरवासियों से आह्वान किया कि वे अपने बच्चों को भी इन आयोजनों में शामिल करें, ताकि उनमें धर्म, संस्कृति और राष्ट्रभक्ति की भावना विकसित हो। शीलेन्द्र कृष्ण दीक्षित उर्फ शैलू पंडित ने विश्व हिंदू परिषद के सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजनों के माध्यम से समाज में एकता, जागरूकता और सद्भावना का वातावरण बनता है। कार्यक्रम में विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के पदाधिकारी, कार्यकर्ता व श्रद्धालु बड़ी संख्या में उपस्थित रहे ।

ठगी पीड़ितों का भुगतान न हुआ तो होगा सत्याग्रह आंदोलन

तपजप संगठन ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

(भव्य प्रभात)

सादाबाद। तपजप संगठन द्वारा बुधवार को एसडीएम संजय कुमार को राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में संगठन के तहसील अध्यक्ष महीपाल सिंह ने बताया कि हमारा संगठन ठगी पीड़ित जमाकर्ता परिवार, तपजप सम्पूर्ण राष्ट्र में 16 जुलाई को भुगतान चेतावनी दिवस के रूप में मना रहा है। देष के समस्त ठगी पीडितों को भुगतान की गारंटी का अधिकार देने के लिए हमारी संसद ने सर्वसम्मति से अनियमित जमा योजनाएं पाबन्दी अधिनियम 2019 बनाकर राष्ट्रपति के माध्यम से पूरे देष में लागू करवाया था। इस कानून में संसद ने सरकार को सभी कम्पनियों सोसाइटी आदि के ठगी पीड़ितों की उनकी जमाराषि का दो से तीन गुणा भुगतान 180 दिन में करने के लिय अधिकृत किया है। सरकार ने इस कानून के तहत देषभर में भुगतान अधिकारी और विषेश अदालतें नियुक्त की हैं। जो कानून बन जाने के साढ़े छह साल बाद भी ठगी पीडितों का भुगतान नहीं करा सकी हैं। ठगी पीडितों का देषभर में भुगतान न करना कानून का उल्लंघन है। इसके लिए दोषी दोशी अधिकारियों के खिलाफ देषभर में मुकदमे पंजीकृत होने चाहिए और दोषी अधिकारियों एवं राज्य एवं संघ षासित सरकारों को

बर्खास्त कर देना चाहिए। हमारा संगठन सभी दोशी अधिकारियों एवं सरकारों की बर्खास्तगी की मांग करते हुए सरकार को चेतावनी देता है कि आगामी 31 जुलाई 2025 से पूर्व हमारी न्यायोचित मांग को आपकी सरकार स्वीकार करे या इस्तीफा दे। यदि ऐसा न किया गया तो 31 जुलाई को मथुरा में अनिश्चिकालीन सत्याग्रह आंदोलन शुरू किया जाएगा। मौके पर हरीश चौधरी, जीएन गोल्ड, साई प्रकाश, साई समृद्धि आदि कंपनियों के सदस्य थे।

विद्यार्थियों को बांटे स्कूल बैग, खिले चेहरे

(भव्य प्रभात)

सादाबाद। गांव सलेमपुर के प्राथमिक विद्यालय द्वितीय में हिंदुस्तान पेट्रोलियम के माध्यम से सांसद अनूप प्रधान के सहयोग से कक्षा एक से पांच तक के विद्यार्थियों को स्कूल बैग वितरित किए गए। बैग वितरण का शुभारंभ भाजपा मंडल अध्यक्ष अंकुश गौड और प्राथमिक शिक्षक संघ सहपऊ के अध्यक्ष अरूण शर्मा ने संयुक्त रूप से किया। बैग वितरण कार्यक्रम में शिव कुमार, दीपक उपाध्याय, गिर्राज सिंह, शिव कुमार शर्मा, पवन चौधरी, कोरस खां, विद्यालय इंचार्ज पूनम बघेल, दुर्गेश कुमार, विजय कुमार, सोनम शर्मा, ममता गौतम, श्रवण कुमार आदि थे।

पत्रकार और उसकी बहन को घेरकर पीटा

सादाबाद। गांव गोविंदपुर में बुधवार को दो पक्षों में विवाद हो गया। इस विवाद में एक पत्रकार और उसकी बहन को कुछ लोगों ने घेरकर जमकर लाठी डंडों से पीटा। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस मामले में पीड़ित ने सादाबाद कोतवाली में तहरीर दी है। पुलिस ने पीड़ित का मेडिकल भी कराया है, हालांकि इस मामले में रिपोर्ट दर्ज नहीं की गई है।

गांव गोविंदपुर निवासी संजीव कुमार पुत्र शिशुपाल सिंह एक दैनिक समाचार पत्र के पत्रकार हैं। संजीव कुमार के मुताबिक, उसके पिता शिशुपाल सिंह ने कुछ दिन पहले गांव में एक व्यक्ति द्वारा सार्वजनिक रास्ते पर अतिक्रमण कर बोरिंग कराए जाने की शिकायत मुख्यमंत्री से की थी, तभी से उक्त व्यक्ति के पुत्र और परिजन उन्हें जान से मारने की धमकी दे रहे थे। 16 जुलाई को सुबह करीब छह बजे वह तथा उसकी बहन अपनी बाउंड्री से भैंस लेकर अपने खेत में बांध रहे थे, इसी दौरान उक्त व्यक्ति के पुत्र व अन्य परिजन सहित सात लोग एक राय होकर लाठी डंडा और हथौड़ा लेकर आए और हम दोनों पर हमला कर दिया।

घटना में उसके कई जगह चोट आईं। घटना की सूचना उसने 112 नंबर पर कॉल कर पुलिस को दी। इधर, संजीव ने बताया कि उनके द्वारा घटना की तहरीर थाने में दी गई है, लेकिन पुलिस ने मुकद्दमा दर्ज नहीं किया है। इधर, उक्त घटना की वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

महत्वपूर्ण पदों पर हो महिला पुलिस कर्मियों की तैनाती

सादाबाद। अधिवक्ता एचबी शास्त्री एडवोकेट ने पुलिस महानिदेशक को पत्र भेजकर महत्वपूर्ण पदों पर महिला पुलिस कर्मी की तैनाती, पोस्टिंग किए जाने की मांग की।

उन्होने पत्र में कहा कि पुलिस विभाग में महिला पुलिस अधिकारी कर्मचारी की तैनाती थाना प्रभारी या चौकी प्रभारी जैसे महत्वपूर्ण पदों पर नहीं की जाती है। अगर पति पत्नी दोनों पुलिस कर्मी हैं तो उन्हें एक ही जनपद में तैनाती दी जानी चाहिए और प्रत्येक पुलिस का आवेदन ऑनलाइन होना चाहिए। जनपद स्तर पर पुलिस विभाग का स्कूल होना चाहिए, जिसमें उनके बच्चे उच्च शिक्षा प्राप्त कर सकें।

पुलिस विभाग को प्राप्त पुलिस शिकायत की निस्तारण समय सीमा नियत होनी चाहिए और नियम सभी के लिए समान होना चाहिए। पुलिस कर्मी के लिए हर सीओ स्तर पर उच्चतम कैंटीन की व्यवस्था होनी चाहिए।

प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत २२० महिला मरीजों को मिला उपचार

सादाबाद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र व बिसावर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर लगाए गए शिविर

(भव्य प्रभात)

सादाबाद। सादाबाद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और बिसावर स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर बुधवार को प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत शिविर का आयोजन हुआ। शिविर का लाभ उठाने के लिए काफी संख्या में महिला मरीजों की भीड़ उमड़ पड़ी। इस शिविर में करीब 220 महिला मरीजों को चिकित्सा और दवाएं प्रदान की गईं। सीएचसी प्रभारी डॉ. दानवीर सिंह ने बताया कि प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान (पीएमएसएमए) के तहत गर्भवती महिलाओं के लिए स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया जाता है। इन शिविरों में, गर्भवती महिलाओं को मुफ्त स्वास्थ्य जांच, परामर्श और आवश्यक दवाएं प्रदान की जाती हैं। इसका उद्देश्य, गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य की देखभाल करना और सुरक्षित मातृत्व सुनिश्चित करना है।

शिविर में गर्भवती महिलाओं की सामान्य जांच, वजन, रक्तचाप, हीमोग्लोबिन, और रक्त शर्करा आदि की जांच की गई। काफी महिला मरीजों के अल्ट्रासाउंड भी कराए गए। शिविर में चिकित्सक डॉ. स्वाति गर्ग, डॉ. हुमा, स्टाफ नर्स रेखा कुंतल आदि द्वारा गर्भवती महिलाओं को गर्भावस्था, प्रसव और प्रसवोत्तर देखभाल के बारे में जानकारी और परामर्श के अलावा आवश्यकतानुसार, आयरन, कैल्शियम और अन्य आवश्यक दवाएं निशुल्क रूप से प्रदान की गईं। डॉ. दानवीन ने बताया कि सीएचसी सादाबाद पर विभाग के दिशा निर्देशों के तहत शिविर लगाए जा रहे हैं और महिला मरीज इसका लाभ भी उठा रहीं हैं। मौके पर चिकित्सक डॉ. सुमित चौहान भी मौजूद रहे।

अमित कुमार बने सादाबाद क्षेत्र के नए सीओ, हुआ स्वागत

(भव्य प्रभात)

सादाबाद। पुलिस अधीक्षक चिरंजीवनाथ सिन्हा ने अमित कुमार को पुलिस क्षेत्राधिकारी सादाबाद बनाया है। वह सादाबाद, सहपऊ, चंदपा व मुरसान थानों का पर्यवेक्षण करेंगे तथा क्षेत्र में अपराध व अपराधियों पर नियंत्रण शांति, कानून व्यवस्था व सौहार्द बनाए रखेंगे। वहीं, सीओ हिमांशु माथुर को क्षेत्राधिकारी यातायात व साईबर काइम का दायित्व सौंपा गया है। वह जनपद में घटित साइबर अपराध नियंत्रण व यातायात व्यवस्था को सुदृढ बनाए रखने के लिए उत्तरदायी होंगे। नवागत सीओ अमित कुमार का सादाबाद के ग्राम प्रधानों ने बुके भेंट कर स्वागत किया। इस मौके पर ग्राम प्रधान महाराज सिंह, अनिल कुमार आदि थे।

सड़क हादसे की रिपोर्ट दर्ज

सादाबाद। खेड़ा परसौली चंदपा निवासी पवन कुमार पुत्र स्व. किशनलाल ने सादाबाद कोतवाली में बाइक चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है।

रिपोर्ट में पवन ने बताया कि 10 जुलाई को गांव खेड़ा परसौली थाना चंदपा से सुबह उसका भाई विकास व उसका दोस्त अरूण बैटरी वाली विक्की से सब्जी मंडी सादाबाद सब्जी लेने जा रहे थे, सुबह करीब पांच बजे जैसे ही वह दोनों आगरा अलीगढ़ रोड पर मुन्नी देवी कोल्ड स्टोर के पास पहुंचे, तभी पीछे की तरफ से आ रही बाइक के चालक ने लापरवाही से उनमें टक्कर मार दी, जिससे विकास गंभीर रूप से घायल हो गया।

भारत की हार पर आलोचनाओं की बाढ़

निशाने पर जडेजा-गिल और बुमराह, जानें अश्विन-पठान और कैफ क्या बोले

नई दिल्ली। रविचंद्रन अश्विन, इरफान पठान और मोहम्मद कैफ की ओर से प्रतिक्रियाएं आईं हैं। वहीं, पूर्व क्रिकेटर मदन लाल ने विराट कोहली को संन्यास से वापस आने के लिए कहा है। टीम इंडिया को इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स में हार का सामना करना पड़ा। इस हार की वजह से भारतीय टीम पांच मैचों की सीरीज में 1–2 से पिछड़ गई है। भारत की हार पर पूर्व क्रिकेटरों की ओर से काफी प्रतिक्रियाएं आ रही हैं। भारतीय टीम 193 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 170 रन पर ऑलआउट हो गई थी। रवींद्र जडेजा, नीतीश रेड्डी, जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज ने मैदान पर गजब का साहस दिखाया, लेकिन हार से बचा नहीं पाए। जहां कुछ पूर्व क्रिकेटर्स इन क्रिकेटरों के साहस की प्रशंसा कर रहे हैं, वहीं कई पूर्व क्रिकेटर्स जडेजा को लेकर मिली जुली प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। इसके अलावा कप्तान शुभमन गिल और जसप्रीत बुमराह भी निशाने पर आए हैं। पूर्व क्रिकेटर्स जडेजा की बल्लेबाजी की तारीफ तो कर रहे हैं, लेकिन साथ ही यह भी कह रहे हैं कि उन्हें तेज बल्लेबाजी करनी चाहिए थी। रविचंद्रन अश्विन, इरफान पठान और मोहम्मद कैफ की ओर से प्रतिक्रियाएं आईं हैं। वहीं, पूर्व क्रिकेटर मदन लाल ने विराट कोहली को संन्यास से वापस आने के लिए कहा है। अश्विन ने जडेजा को लेकर दिया बयान अश्विन ने कहा कि लॉर्ड्स टेस्ट के दौरान उनकी बात एक बड़े क्रिकेटर से हुई और दोनों इस बात पर सहमत थे कि जडेजा को तेजी से रन बटोरने चाहिए। अश्विन ने अपने यूट्यूब चौनल पर कहा, श्मैं पूरे मैच के दौरान एक बड़े क्रिकेटर को मैसेज करता रहा। मैं

उनका नाम नहीं लूंगा, लेकिन हम दोनों मैच पर चर्चा कर रहे थे। हम दोनों को लगा कि जडेजा को शायद थोड़ा और जोखिम लेना चाहिए था, लेकिन बहुत ज्यादा नहीं। जिस तरह से वह खेले, उसे सलाम है! जड्डू ने जेन बोल्ड की एक पूरी पीढ़ी को दिखाया कि आप धैर्य के साथ खेल सकते हैं और टेस्ट गेम को चमका सकते हैं।श अश्विन ने कहा कि जडेजा और सिराज दोनों को लगातार गेंदों को डिफेंड करने के बजाय शोएब बशीर को निशाना बनाना चाहिए था। उन्होंने कहा, श्जडेजा सिराज के साथ एक गेंदबाज को चुन सकते थे और उन्हें बशीर पर अटैक करना चाहिए था, क्योंकि सिराज ढलान की वजह से लेग साइड पर एक स्पिनर को बड़े शॉट खेल सकते हैं।श अश्विन से पहले महान स्पिनर अनिल कुंबले ने भी जडेजा के अप्रोच पर सवाल उठाए थे। पठान ने वर्कलोड मैनेजमेंट पर दिया बयान वहीं, भारत के पूर्व पेसर इरफान पठान ने बुमराह के वर्कलोड मैनेजमेंट को निशाने पर लिया और उन्होंने इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स का उदाहरण दिया। स्टोक्स ने लॉर्ड्स टेस्ट में 44 रन और 33 रन की पारियां खेलने के अलावा पहली पारी में 20 ओवर गेंदबाजी की और दो विकेट लिए। दूसरी पारी में उन्होंने 24 ओवर गेंदबाजी की और तीन विकेट लिए। इसके लिए स्टोक्स को प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड भी दिया गया।

हाई कोर्ट का कर्नाटक सरकार के लिए फरमान, बेंगलुरु भगदड़ की रिपोर्ट को सार्वजनिक करें

कर्नाटक हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को 4 जून को एम चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर हुई भगदड़ की घटना की स्टेटस रिपोर्ट सार्वजनिक करने का आदेश दिया है। बता दें कि, इस घटना में 11 लोगों की जान चली गई थी जबकि 50 से ज्यादा लोग घायल हो गए थे। वहीं ये भगदड़ आईपीएल में 18 साल बाद आरसीबी के जीतने के बाद जश्न समारोह के दौरान हुई थी। इससे पहले राज्य सरकार ने हाईकोर्ट से रिपोर्ट गोपनीय रखने का अनुरोध किया था, लेकिन कोर्ट ने सोमवार 14 जुलाई को स्पष्ट रूप से कहा कि इस गोपनीयता का कोई कानूनी आधार नहीं है और ये केवल सरकार का मानना है। क्रिकइंफो की रिपोर्ट के अनुसार कोर्ट ने सरकार को मामले में अन्य प्रतिवादियों आरसीबी, कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ और फ्रेंचाइजी की इवेंट पार्टनर डीएनए एंटरटेनमेंट नेटवर्क्स को भी रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। फ्रेंचाइजी को एक विस्तृत सीआईडी जांच के विवरण के साथ–सात सेंट्रल एडमिनिस्ट्रेटिव ट्रिब्यूनल की दो–सदस्यीय पीठ के फैसले का भी इंतजार है। आरसीबी के शीर्ष अधिकारियों और डीएनए के सदस्यों ने पिछले महीने अपनी गवाही दी है। फैसले की तारीख सभी सार्वजनिक नहीं की गई है। 1 जुलाई को कैट की दो सदस्यीय पीठ ने एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में भीड़ के संबंध में एक अहम टिप्पणी की। ट्रिब्यूनल ने कहा है कि 3 जून को आरसीबी द्वारा अपना पहला आईपीएल खिताब जीतने के तुरंत बाद फ्रेंचाइजी द्वारा अपने सोशल मीडिया चौनलों पर घोषित विजय परेड में हिस्सा लेने के लिए स्टेडियम के बाहर लगभग तीन से पांच लाख लोगों की भीड़ जुटाने के लिए आरसीबी जिम्मेदार थी।

लॉर्ड्स में रवींद्र जडेजा ने रचा कीर्तिमान, ये कारनामा करने वाले बने चौथे ऑलराउंडर

भारत को लॉर्ड्स में खेले गए तीसरे टेस्ट में इंग्लैंड के हाथों 22 रनों से करीबी का सामना करना पड़ा। भारतीय टीम 193 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए 170 रन पर ढेर हो गई। एक समय भारत की दूसरी पारी 100 रनों के आसपास सिमटती हुई दिख रही थी लेकिन स्टार ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने गजब का संयम और हौसला दिखाया। उन्होंने 181 गेंदों में चार चौकों और एक छक्के की मदद से नाबाद 61 रन बनाए। वहीं जडेजा ने लॉर्ड्स टेस्ट में बेहतरीन बल्लेबाज करने के बाद एक धांसू कीर्तिमान रच डाला। दरअसल, जडेजा इंटरनेशनल क्रिकेट में 7000 प्लस रन बनाने और 600 प्लस विकेट हासिल करने वाले दुनिया के चौथे ऑलराउंडर बन गए हैं। उनके खाते में फिलहाल 7018 रन और 611 विकेट हैं। जडेजा ने 83 टेस्ट, 204 वनडे और 74 टी20 इंटरनेशनल मैचों में क्रमशरू 3697, 2806 और 515 रन बनाए हैं। उन्होंने टेस्ट में 326, वनडे में 231, और टी20 में 54 विकेट झटके। जडेजा ने पिछले साल टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट को अलविदा कह दिया था। जडेजा के अलावा सात हजार प्लस रन और 600 प्लस विकेट लेने का कारनामा कपिल देव, शॉन पोलक और शाकिब अल हसन ने अंजाम दिया है। 1983 वर्ल्ड कप विजेता कप्तान और महान ऑलराउंडर कपिल ने अपने इंटरनेशनल करियर में 9031 रन बनाए और 687 विकेट झटके। साउत अफ्रीका के पूर्व दिग्गज ऑलराउंडर पोलक ने 7386 रन जुटाए और 829 शिकार किए। बांग्लादेश के धाकड़ ऑलराउंडर शाकिब ने 14730 रन जोड़े और 712 विकेट लिए। जडेजा का इंग्लैंड दौरे पर बल्ला जमकर बोल रहा है। वह सीरीज में लगातार चार 50 प्लस स्कोर बना चुके हैं। जडेजा ने टेस्ट में कुल 26 अर्धशतक और चार शतक लगाए हैं। वह लॉर्ड्स में टेस्ट मैच की दोनों पारियों में 50 स्कोर बनाने वाले केवल दूसरे भारतीय हैं। उनस पहले ये कमाल लॉर्ड्स में वीनू मांकड़ ने 1952 में किया था।

वर्ल्ड कप से पहले इन टीमों से भिड़ेगी भारतीय टीम, आईसीसी ने जारी किया फुल शेड्यूल

भारत की मेजबानी में इसी साल सितंबर में शुरू हो रहे आईसीसी महिला वर्ल्ड कप के वार्मअप मैचों का शेड्यूल जारी हो गया है।

कॉरपोरेट्स की पहली पसंद बना नवी मुंबई, ऑफिस स्पेस की मांग 2024 में 40 फीसदी बढ़ी

नई दिल्ली। सीआरई मैट्रिक्स की रिपोर्ट के अनुसार नवी मुंबई में प्रीमियम ऑफिस स्पेस की मांग 2024 में 40 प्रतिशत बढ़कर 58 लाख वर्ग फुट हो गई। इस कैलेंडर वर्ष के पहले छह महीनों में नवी मुंबई में ऑफिस स्पेस का सकल पट्टा लगभग 8 लाख वर्ग फुट से अधिक हो गया। नवी मुंबई में वैश्विक और घरेलू कॉरपोरेट्स की ओर से ग्रेड ए कार्यालय स्थान की भारी मांग है। नवी मुंबई में प्रीमियम कार्यालय स्थलों की मांग 2024 में 40 प्रतिशत बढ़कर 58 लाख वर्ग फुट हो गई। इससे किफायती किराए पर लीजिंग गतिविधियां और बढ़ने की उम्मीद है। रियल एस्टेट डेटा एनालिटिक्स फर्म सीआरई मैट्रिक्स की रिपोर्ट में यह जानकारी मिली है। मुंबई का औसत किराया लगभग 65 रुपये प्रति वर्ग फीट सीआरई मैट्रिक्स के सह–संस्थापक अभिषेक किरण गुप्ता ने कहा कि नवी मुंबई प्रमुख 7 से 8 शहरों में सबसे किफायती कार्यालय बाजारों में से एक है। इसका औसत किराया लगभग 65 रुपये प्रति वर्ग फीट है। पहले छह महीनों में ऑफिस स्पेस का सकल पट्टा 8 लाख वर्ग फुट से अधिक हुआ उन्होंने कहा कि मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर) के माइक्रो–मार्केट्स में मांग लगातार बढ़ रही है। इस कैलेंडर वर्ष के पहले छह महीनों में नवी मुंबई में ऑफिस स्पेस का सकल पट्टा लगभग 8 लाख वर्ग फुट से अधिक हो गया। नवी मुंबई में वैश्विक और घरेलू कॉरपोरेट्स की ओर से ग्रेड ए कार्यालय स्थान की भारी मांग है। एमएमआर के इस हिस्से में नए हवाई अड्डे सहित बुनियादी ढांचे के विकास के कारण मांग में और वृद्धि होगी। इन कंपनियों के पास है ऑफिस स्पेस पोर्टफोलियो टाटा रियल्टी एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड, के रहेजा ग्रुप प्रायोजित– माइंडस्पेस बिजनेस पार्क्स आरईआईटी, एलएंडटी रियल्टी और हीरानंदानी ग्रुप कुछ प्रमुख कंपनियां हैं। इनके पास नवी मुंबई क्षेत्र में ऑफिस स्पेस पोर्टफोलियो है। 2024 में सकल पट्टा बढ़कर 57.93 लाख वर्ग फुट हो गया सीआरई मैट्रिक्स डेटा के अनुसार, नवी मुंबई में ऑफिस स्पेस का सकल पट्टा 2024 में बढ़कर 57.93 लाख वर्ग फुट हो गया। यह पिछले कैलेंडर वर्ष में 41.37 लाख वर्ग फुट था। इस वर्ष जनवरी–जून के दौरान सकल पट्टा 27.72 लाख वर्ग फुट रहा, जबकि नई आपूर्ति 20.07 लाख वर्ग फुट रही। वित्त वर्ष 2026 में सकल पट्टा 60 लाख वर्ग फुट होने का अनुमान नवी मुंबई में प्रमुख कार्यालय केंद्र हैं ऐरोली, घनसोली, वाशी, जुईनगर, बेलापुर और तुर्भे। गुप्ता ने अनुमान लगाया कि नवी मुंबई में ऑफिस स्पेस का सकल पट्टा चालू कैलेंडर वर्ष 2026 में 60 लाख वर्ग फुट को पार कर सकता है। कुशमैन एंड वेकफील्ड का अनुमान कुशमैन एंड वेकफील्ड के अनुसार, शीर्ष 8 शहरों में कार्यालय स्थलों की सकल लीजिंग 2025 के दौरान 90 मिलियन वर्ग फुट को पार कर जाने की उम्मीद है, जो पिछले वर्ष की रिकॉर्ड मांग को पार कर जाएगी। 2024 में शीर्ष आठ शहरों में ऑफिस स्पेस का सकल पट्टा 89 मिलियन वर्ग फुट था।

टी२० में ऐतिहासिक जीत के बाद वनडे में दबदबा बनाने की कोशिश करेगी भारतीय टीम

साउथेम्पटन। भारत और इंग्लैंड की महिला टीमें अब तक वनडे में 76 बार आमने–सामने आ चुकी हैं। इनमें से 40 मैचों में इंग्लिश टीम ने और 34 मैचों में भारतीय टीम ने जीत हासिल की है। दो मैच बेनतीजा रहे हैं। इंग्लैंड के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज में ऐतिहासिक जीत के बाद आत्मविश्वास से भरी भारतीय महिला टीम बुधवार से यहां शुरू हो रही तीन मैचों की वनडे सीरीज में भी इसी लय को बरकरार रखने के इरादे से मैदान पर उतरेगी। भारतीय टीम ने टी20 सीरीज में 3–2 से जीत दर्ज करके नया इतिहास रचा था। यह पहला अवसर था जबकि भारत ने खेल के सबसे छोटे प्रारूप में इंग्लैंड से सीरीज जीती। विश्व कप की तैयारी इस साल के आखिर में भारत में वनडे विश्व कप खेला जाना है और उसे देखते हुए हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली टीम 50 ओवरों के प्रारूप में भी अपना प्रदर्शन बेहतर करना चाहेगी। भारत ने अपना आखिरी वनडे मैच मई में श्रीलंका और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ त्रिकोणीय सीरीज में जीता था। इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में जीत हासिल करने से भारतीय टीम का विश्व कप से पहले मनोबल और बढ़ेगा। रावल को शेफाली पर फिर दी गई तरजीह भारत ने हाल के वर्षों में अपने दृष्टिकोण में बदलाव किया है।

भव्य प्रभात

निरंकुश नहीं आजादी

कथित सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एंटी सोशल अभिव्यक्ति के चलते उपजी विभाजनकारी प्रवृत्तियों पर अंकुश की जरूरत बताते हुए देश की शीर्ष अदालत ने आत्म–नियमन की जरूरत बतायी है। दरअसल, जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस के.वी. विश्वनाथन की पीठ, एक व्यक्ति द्वारा दायर याचिका पर विचार कर रही थी, जिस पर धर्म विशेष के देवी–देवताओं के खिलाफ आपत्तिजनक पोस्ट के चलते कई राज्यों में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। अदालत का कहना था कि नागरिकों को अभिव्यक्ति की आजादी के अधिकार का मूल्य समझना चाहिए। साथ ही इस अधिकार का इस्तेमाल करते हुए आत्म–संयम बरतना चाहिए। कोर्ट ने चेताया है कि यदि सोशल मीडिया पर विभाजनकारी प्रवृत्तियों पर अंकुश नहीं लगता तो सरकार को हस्तक्षेप करने का मौका मिलता है। जो एक अच्छी स्थिति नहीं होगी। निस्संदेह, समाज में विद्वेष व नफरत फैलाने वाले संदेश समरसता के भारतीय परिवेश के लिये गंभीर चुनौती बने हुए हैं। यही वजह है कि कोर्ट को कहना पड़ा कि वह नियमन के लिये दिशा–निर्देश जारी करने पर विचार कर रही है। दरअसल, अदालत का मानना था कि संविधान के अनुच्छेद 19(2) के तहत मिली आजादी असीमित कदापि नहीं है। यदि उससे सामाजिक समरसता में खलल पड़ता है तो सरकार को दखल देने का मौका मिलता है। जो कि एक लोकतांत्रिक देश के लिये अच्छा संकेत नहीं है। कोई नहीं चाहता कि उसकी अभिव्यक्ति की आजादी को सरकार नियंत्रित करे। सही मायनों में लोगों को समझना चाहिए कि देश की एकता व अखंडता बनाये रखना मौलिक कर्तव्य ही है। अदालत ने इस बाबत सवाल भी किया कि नागरिक स्वयं को संयमित क्यों नहीं कर सकते? कोर्ट का मानना था कि लोग तभी अभिव्यक्ति की आजादी का आनन्द ले सकते हैं जब यह संयमित ढंग से व्यक्त की जाए। शीर्ष अदालत की पीठ का मानना था कि नागरिकों के बीच भाईचारा होना चाहिए, तभी समाज में नफरत से मुकाबला किया जा सकता है। तभी हम गंगा–जमुनी संस्कृति के समाज का निर्माण कर सकते हैं। वैसे कई राज्यों में स्वतंत्र अभिव्यक्ति के नियमन को लेकर सरकारी कार्रवाई को लेकर भी सवाल उठते रहे हैं। कई जगह विचारों की अभिव्यक्ति व कार्टून आदि बनाने को राजनीतिक दुराग्रह बताते हुए लोगों को गिरफ्तार तक किया गया है। जिसे सत्ताधीशों द्वारा बदले की भावना से की कार्रवाई बताया जाता रहा है। आरोप लगाया जाता रहा है कि सत्तारूढ़ दल की विचारधारा के अनुरूप अमर्यादित अभिव्यक्ति पर कोई एक्शन नहीं लिया जाता। लेकिन दूसरे राज्य में अन्य राजनीतिक दल की सरकार में यही अभिव्यक्ति अपराध बन जाती है। कहा जाता रहा है कि अभिव्यक्ति की आजादी द्वारा किसी मर्यादा को भंग करना घटिया या आपत्तिजनक तो हो सकता है लेकिन इसे अपराध की श्रेणी में नहीं रखा जाना चाहिए। इसे कानून के आलोक में देखा जाना चाहिए। यह निर्विवाद सत्य है कि विभिन्न राजनीतिक दलों व संगठनों द्वारा सोशल मीडिया मंच का जमकर दुरुपयोग किया जाता रहा है। वहीं लोगों का कसूर यह है कि दल विशेष के एजेंडे वाली सामग्री को वे बिना पढ़े, दूसरे लोगों व समूहों में शेयर कर देते हैं। दरअसल,आम नागरिकों को प्रशिक्षित किया जाना चाहिए कि सोशल मीडिया पर उनका संयमित व्यवहार कैसा होना चाहिए। बहुत से लोगों को यह पता नहीं होता है कि सोशल मीडिया पर शेयर की जा रही सामग्री की कितनी संवेदनशीलता है। कई लोग जाने–अनजाने में ऐसी सामग्री दूसरे व्यक्तियों व समूहों में शेयर कर देते हैं जो समाज विरोधी हो सकती है। दरअसल, वे उसकी मूल सामग्री को बनाने वाले के छिपे एजेंडे को नहीं भांप पाते। कभी–कभी भावावेश में लोग ऐसे कदम उठा देते हैं। निस्संदेह, कोई भी व्यक्ति भावनात्मक दुर्बलताओं से मुक्त नहीं होता, लेकिन फिर भी उसे शेयर की जा रही सामग्री की तार्किकता पर मंथन जरूर करना चाहिए। दरअसल, सोशल मीडिया आज एक ऐसा अस्त्र बन गया है जो जरा सी चूक से घातक साबित हो सकता है। वास्तव में हर नागरिक को इतना सचेत व जागरूक होना जरूरी है कि वह विभिन्न स्रोतों से आने वाली सामग्री से जुड़ी मंशा को समझ सके। निस्संदेह, संयमित, तार्किक व सतर्क प्रतिक्रिया से हम अभिव्यक्ति के मौलिक अधिकार का आनन्द ले सकते हैं।

बिहार तो बस झांकी है, पूरा देश बाकी है!

अनिल जैन

एक समय था जब भारत के चुनाव आयोग की दुनिया भर में साख थी। ऐसी साख कि दुनिया के जिन देशों में संसदीय लोकतंत्र पहले से है या जिन्होंने बाद में उसे अपनाया, वे सारे भारतीय चुनाव आयोग को निमंत्रण देकर अपने यहां बुलाते थे और अनुरोध करते थे कि वह आए और उनके यहां के चुनाव अधिकारियों को प्रशिक्षित करे कि निष्पक्ष चुनाव कैसे कराए जाते हैं। ऐसे अनुरोधों पर भारत का चुनाव आयोग अपने अधिकारियों का दल संबंधित देशों में भेजता भी था। कई देश भारत में चुनाव के समय अपने यहां के चुनाव अधिकारियों को भारत के दौरे पर भेजते थे, यह देखने के लिए भारत का चुनाव आयोग कैसे चुनाव कराता है। यह सिलसिला अब बंद हो चुका है, क्योंकि भारत का चुनाव आयोग अपनी साख पूरी तरह गंवा चुका है। कहने को तो चुनाव आयोग अभी भी एक स्वायत्त संवैधानिक निकाय है लेकिन पिछले एक दशक से वह व्यावहारिक तौर पर भारत सरकार के गृह मंत्रालय और कानून मंत्रालय के तहत काम करने वाले एक विभाग में तब्दील हो गया है। इसकी ताजा मिसाल बिहार में देखी जा सकती है, जहां चुनाव आयोग ने विधानसभा चुनाव से चार महीने पहले मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण का अभियान शुरू किया है, जो स्पष्ट रूप से एक तर्कहीन और हास्यास्पद तमाशे से ज्यादा कुछ नहीं है। चूंकि चुनाव आयोग की नीयत साफ नहीं है, इसलिए उसने अपनी इस कवायद पर बिहार के विपक्षी दलों और सामाजिक संगठनों की आपत्तियों को भी सिरे से खारिज कर दिया है। आगामी विधानसभा चुनाव में सत्तारूढ़ पार्टी की राह आसान करने के लिए केंद्र सरकार के इशारे पर हो रहे इस तमाशे का स्पष्ट मकसद बड़ी संख्या में गरीब, वंचित अल्पसंख्यक तबके के लोगों को मतदाता सूची से बाहर करना है। मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण के नाम पर चुनाव आयोग बिहार के लोगों से उनकी नागरिकता का प्रमाणपत्र मांग रहा है। इस सिलसिले में उसका कहना है कि आधार कार्ड, मनरेगा कार्ड और राशन कार्ड के आधार पर कोई भी व्यक्ति मतदाता सूची में नाम नहीं दर्ज करा सकता। इन तीन के अलावा चुनाव आयोग ने 11 दस्तावेजों की सूची जारी की है, जिनके आधार पर मतदाता सूची में नाम दर्ज होगा। इन 11 में से कोई एक दस्तावेज मतगणना प्रपत्र के साथ जमा कराना है। इनमें सरकारी नौकरी या संपत्ति आदि के दस्तावेजों को छोड़ दें तो कई दस्तावेज ऐसे हैं, जिन्हें बनवाने के लिए आधार कार्ड प्रस्तुत करना होता है। यानी आधार कार्ड के सहारे कोई व्यक्ति जो दस्तावेज बनवाएगा, उनसे वह मतदाता बन सकता है लेकिन सीधे आधार कार्ड के आधार पर मतदाता नहीं बन सकता। गौरतलब यह है कि बिहार में आवास प्रमाणपत्र बनवाने के लिए आधार कार्ड ही एकमात्र दस्तावेज है। यानी कोई आधार लेकर जाएगा तो उसका आवास प्रमाणपत्र बन जाएगा और वह आवास प्रमाणपत्र चुनाव आयोग की ओर से वांछित 11 दस्तावेजों में से एक है। यानी उसे जमा करा कर कोई भी व्यक्ति मतदाता बन सकता है। पिछले 15 दिनों में लाखों लोगों ने आधार कार्ड के जरिए अपना आवास प्रमाणपत्र बनवाने का आवेदन किया है। इनमें से 10 फीसदी के भी प्रमाणपत्र 25 जुलाई तक नहीं बन पाएंगे। इससे जाहिर है कि चुनाव आयोग ने लोगों को परेशान करने के लिए यह कवायद शुरू की है। अगर आधार कार्ड के जरिये आवास प्रमाणपत्र बन सकता है और उससे मतदाता सूची में नाम दर्ज हो सकता है तो फिर सीधे आधार कार्ड के दम पर मतदाता बनाने में क्या समस्या है? मतदाता पहचान पत्र नहीं होने पर जिन मान्य दस्तावेजों के आधार पर मतदान करने की इजाजत है उनमें आधार और मनरेगा कार्ड दोनों हैं। लेकिन बिहार में इन दोनों के आधार पर मतदाता सूची में नाम नहीं दर्ज किया जा रहा है। हालांकि इन दोनों के आधार पर देश के दूसरे हिस्सों में मतदाता पहचान पत्र बनाया जा सकता है। कायदे से चुनाव आयोग को अगर यह काम करना ही था तो इसकी शुरुआत जनवरी में करनी थी, मतदाताओं को पर्याप्त समय दिया जाना चाहिए था और राजनीतिक दलों को भी भरोसे में लेना था। 22 साल पहले

2003 में भी चुनाव आयोग ने यह काम किया था, जिसमें उसे दो साल लगे थे लेकिन इस बार चुनाव आयोग ने वही काम करने के लिए एक महीने की अवधि निर्धारित की है। जाहिर है कि चुनाव आयोग मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण के नाम पर जो कुछ कर रहा है, उसके पीछे उसकी नीयत साफ नहीं है। चुनाव आयोग कह रहा है कि जन्म प्रमाणपत्र नहीं दे पाने वाले लोगों का मतदाता सूची से सिर्फ नाम ही नहीं हटाया जाएगा, बल्कि उनकी नागरिकता संदिग्ध होने की सूचना भी सरकार को दी जाएगी। इससे विपक्षी पार्टियों की यह आशंका सही साबित हो रही है कि चुनाव आयोग के जरिए सरकार राष्ट्रीय नागरिकता रजिस्टर यानी एनआरसी का काम करवा रही है। यानी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के जरिये मतदाताओं का सत्यापन नहीं, बल्कि लोगों की नागरिकता का सत्यापन हो रहा है। इसीलिए बड़ी संख्या में अल्पसंख्यक मतदाताओं के नाम काटे जाने की आशंका जताई जा रही है। चुनाव आयोग की इस कवायद पर जो सवाल विपक्षी दलों और सामाजिक संगठनों ने उठाए हैं, वही सवाल इस कवायद को चुनौती देने वाली याचिकाओं की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने भी चुनाव आयोग से किए। हैरानी की बात है कि अपने सवालों का कोई तार्किक और संतोषजनक जवाब नहीं मिलने के बावजूद सुप्रीम कोर्ट ने इस कवायद पर रोक लगाने के बजाय आधार कार्ड, मनरेगा कार्ड और राशन कार्ड को भी वैध दस्तावेज के तौर पर स्वीकार करने की सलाह देते हुए चुनाव आयोग को अपना अभियान जारी रखने की इजाजत दे दी। चुनाव आयोग का दावा है कि बिहार के 50 फीसदी से ज्यादा मतदाताओं ने मतगणना प्रपत्र भरकर जमा करा दिये हैं।

दूसरी ओर कुछ गैर सरकारी संगठनों की ओर से कराए गए सर्वे बता रहे हैं कि आधे से ज्यादा लोगों को प्रपत्र मिला ही नहीं है। या मिला भी है तो सिर्फ एक प्रति में। इस तमाशे को लेकर एक और खुलासा हुआ है, जिससे चुनाव आयोग की स्थिति हास्यास्पद बनती है। हालांकि इससे आयोग पर कोई फर्क नहीं पड़ता, क्योंकि वह पूरी तरह शर्मनिरपेक्ष हो चुका है। पता चला है कि चुनाव आयोग ने जिन 11 दस्तावेजों के आधार पर लोगों को मतदाता बनाने का फैसला किया है, उनमें से तीन में जन्म तिथि या निवास का पता लिखा ही नहीं होता है और दो दस्तावेज बिहार में नहीं बनते हैं। बिहार में अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति के प्रमाणपत्र, वन अधिकार प्रमाणपत्र निवासी प्रमाणपत्र पर या तो जन्म की तिथि नहीं होती या निवास का पता नहीं लिखा होता है। ये दो चीजें ही मतदाता बनने के लिए चाहिए। फिर इन तीन में से किसी एक दस्तावेज के आधार पर कोई मतदाता कैसे बन पाएगा? इसके अलावा दो दस्तावेज हैं एनआरसी और फैमिली रजिस्टर। इन दोनों दस्तावेजों का बिहार में अस्तित्व ही नहीं है। चूंकि चुनाव आयोग आधार कार्ड, पैन कार्ड, राशन कार्ड, मनरेगा कार्ड को मान्यता नहीं दे रहा है तो उसने मान्य दस्तावेजों की सूची लंबी करने के लिए इनको भी जोड़ दिया है। जाहिर है कि चुनाव आयोग बिहार की जमीनी हकीकत से पूरी तरह अनजान है। वह अपनी साख और मंशा पर उठने वाले सवालों की चिंता से भी पूरी तरह मुक्त है, क्योंकि उसे मालूम है कि सत्तारूढ़ पार्टी के प्रवक्ताओं की फौज और सरकारी प्रचार तंत्र का हिस्सा बन चुका मीडिया उसके हर काम को न्यायसंगत ठहराने के लिए हर दम मौजूद है। कुल मिलाकर बिहार में मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण मतदाताओं के नाम काटने का अभियान है। मतदाता जोड़ने की प्रक्रिया निरंतर जारी रहती है। पिछले लोकसभा चुनाव से पहले बगैर किसी विशेष अभियान के बिहार में 12 लाख मतदाता नए बने थे। अभी चुनाव आयोग जो कर रहा है वह हरियाणा और महाराष्ट्र से आगे का प्रयोग है। यह प्रयोग आने वाले दिनों में पश्चिम बंगाल, असम और फिर उत्तर प्रदेश में भी दोहराया जाएगा। आगामी लोकसभा चुनाव से पहले कुछ अन्य राज्यों में भी दोहराया जा सकता है, क्योंकि इस प्रयोग से मतदान और मतगणना के दौरान कुछ अतिरिक्त खेल करने की जरूरत नहीं होगी। यह चुनाव से पहले चुनावी जीत सुनिश्चित करने वाला प्रयोग है।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं)

बॉलीवुड की अभिनेत्रियां चाहे फिल्मी परदे पर नजर आएं या बिना मेकअप के कैमरे में कैद हों, उनकी स्किन हमेशा ताजगी से भरी और ग्लोइंग नजर आती है। लेकिन ये चमक केवल कैमरे या महंगे ब्यूटी प्रोडक्ट्स की देन नहीं होती, बल्कि इसके पीछे होता है रोज का अनुशासित स्किन केयर रूटीन, घरेलू नुस्खों की समझ और अपने शरीर के प्रति संवेदनशीलता। चलिए जानते हैं दीपिका पादुकोण, श्रद्धा कपूर, आलिया भट्ट, करीना कपूर और जाह्नवी कपूर की स्किन केयर आदतें, जो आप भी अपनी रोजमर्रा की जिंदगी में अपनाकर पा सकती हैं ग्लोइंग स्किन।

दीपिका पादुकोण

दीपिका पादुकोण की त्वचा जितनी साफ और शांत लगती है, उसकी देखभाल उतनी ही साधारण लेकिन अनुशासित है। वे मानती हैं कि स्किन को ग्लोइंग बनाए रखने के लिए महंगे प्रोडक्ट्स की नहीं बल्कि नियमित और सरल देखभाल की जरूरत होती है। वे दिन में दो बार चेहरा साफ करती हैं और लाइटवेट मॉइश्चराइजर के साथ साथ सनस्क्रीन का इस्तेमाल करती हैं। इसके अलावा वे मीठे से दूरी बनाए रखती हैं और खूब पानी पीती हैं, जिससे स्किन अंदर से हाइड्रेट और साफ बनी रहती है। उनका सिंपल स्किन मंत्र है स्किन को क्लीन रखें, टोन करें और मॉइश्चराइज करना न भूलें।

श्रद्धा कपूर

श्रद्धा कपूर का सौंदर्य प्राकृतिक और देसी नुस्खों से संवरता है। वे कैमिकल से दूर रहकर घरेलू उपायों पर भरोसा करती हैं। एलोवेरा जेल, गुलाब जल, मुल्तानी मिट्टी और नीम का फेस पैक उनकी स्किन रूटीन का अहम हिस्सा हैं। साथ ही, टमाटर के रस का प्रयोग करके वे अपनी त्वचा को ताजगी देती हैं। उनकी सुंदरता केवल बाहरी नहीं, बल्कि वे योग और संतुलित आहार से अपनी स्किन को अंदर से भी पोषण देती हैं। श्रद्धा मानती हैं कि स्किन को जितना कम केमिकल्स से छेड़ा जाए, उतनी ही वो स्वाभाविक रूप से दमकती है।

आलिया भट्ट

आलिया भट्ट की त्वचा हमेशा फ्रेश और ब्रेकआउट–फ्री नजर आती है और इसका बड़ा कारण है पानी और शुद्धता। वे अपनी त्वचा को हाइड्रेट रखने में सबसे ज्यादा यकीन करती हैं। नारियल पानी पीना, हाइड्रेटिंग फेस मिस्ट का उपयोग करना और कम से कम मेकअप करना उनकी दिनचर्या में शामिल है। आलिया मेकअप के बाद उसे पूरी तरह साफ किए बिना नहीं सोतीं और हफ्ते में एक बार अपनी त्वचा को एक्सफोलिएट भी करती हैं। उनका सौंदर्य मंत्र है त्वचा को सांस लेने दें और उसे हर दिन साफ रखें।

करीना कपूर खान

करीना कपूर खान की स्किन हमेशा क्लासिक और सजीव नजर आती है, जिसका श्रेय जाता है उनके पुराने लेकिन असरदार सौंदर्य नियमों को। वे हफ्ते में एक बार फेस ऑयल से स्किन की मालिश करती हैं और बेसन–दही से बना फेस पैक लगाती हैं। करीना के लिए सौंदर्य सिर्फ स्किन केयर तक सीमित नहीं है वे नींद को भी खूबसूरती की कुंजी मानती हैं। उनका कहना है कि सात से आठ घंटे की अच्छी नींद और तनावमुक्त जीवन ही त्वचा को असली चमक देते हैं।

जाह्नवी कपूर

जाह्नवी कपूर का स्किनकेयर रूटीन परंपरा और आधुनिकता का सुंदर मेल है। वे जहां एक ओर सैलिसिलिक एसिड जैसे मॉडर्न स्किन प्रोडक्ट्स का उपयोग करती हैं, वहीं हल्दी और दूध से बना दादी का नुस्खा भी उनकी दिनचर्या में शामिल रहता है। हफ्ते में दो बार फेस मास्क लगाना और रेगुलर वर्कआउट करना उनकी स्किन को ना सिर्फ साफ बल्कि दमकता हुआ बनाए रखता है। जाह्नवी मानती हैं कि साफ त्वचा और पसीना यानी पसीने के जरिए शरीर से विषैले तत्वों का बाहर निकलना त्वचा के लिए संजीवनी है।

आप कैसे अपना सकती हैं ये सेलिब्रिटी स्किन केयर रूटीन?

इन सभी अभिनेत्रियों की सुंदरता के पीछे एक बात कॉमन है निरंतरता। कोई भी उपाय तभी असर करता है जब आप उसे नियमित रूप से अपनाती हैं। सबसे पहले अपनी स्किन टाइप को पहचानें। उसके अनुसार एक सरल रूटीन बनाएं जिसमें क्लींजिंग, मॉइश्चराइजिंग और सन प्रोटेक्शन शामिल हो। महंगे प्रोडक्ट्स की जरूरत नहीं, घर की चीजों से भी सुंदरता निखारी जा सकती है। साथ ही, खूब पानी पीना, सात से आठ घंटे की नींद लेना और संतुलित आहार से आप भी पा सकती हैं वो चमक, जो अब तक आपको सिर्फ पर्दे पर दिखती थी। हर महिला खूबसूरत होती है बस उसे अपनी त्वचा और आत्मा, दोनों की देखभाल करना आना चाहिए। दीपिका, करीना या श्रद्धा की तरह दिखना मुश्किल नहीं, अगर आप खुद पर भरोसा करें और अपने लिए हर दिन थोड़ा–सा समय निकालें।

हमारा शरीर सही ढंग से काम करता है तो उसके पीछे विटामिन्स और मिनरल्स की बड़ी भूमिका होती है। इन पोषक तत्वों की कमी से कई बार गंभीर बीमारियां जन्म ले सकती हैं। ऐसा ही एक जरूरी विटामिन है विटामिन ए, जिसकी कमी के संकेत अक्सर रात के समय देखने को मिलते हैं। यदि इन्हें नजरअंदाज किया जाए तो आगे चलकर यह समस्या और भी गंभीर हो सकती है। आइए जानते हैं कि विटामिन ए की कमी से शरीर में कौन–कौन से लक्षण रात के समय दिखने लगते हैं और इसे कैसे पहचाना व रोका जा सकता है।

नाइट ब्लाइंडनेस (रात में देखने में कठिनाई)

विटामिन ए की कमी का सबसे पहला और प्रमुख लक्षण होता है नाइट ब्लाइंडनेस। ऐसे लोग दिन में तो ठीक–ठाक देख पाते हैं, लेकिन जैसे ही अंधेरा होता है या रोशनी कम होती है, उनकी नजर कमजोर हो जाती है। आंखें चीजों को साफ–साफ नहीं देख पातीं। यह स्थिति धीरे–धीरे बढ़ती है और अगर समय पर इलाज न किया जाए, तो यह स्थायी दृष्टि हानि का कारण भी बन सकती है।

आंखों में सूखापन और जलन

विटामिन ए आंखों को नमी प्रदान करता है और उन्हें स्वस्थ बनाए रखता है। इसकी कमी से आंखों की सतह (कॉर्निया) सूखने लगती है, जिससे जलन, खुजली और आंखों में रेत जैसी चुभन महसूस होती है। यह समस्या रात में ज्यादा बढ़ जाती है क्योंकि उस समय आंखों को रेस्ट की जरूरत होती है और सूखी आंखें असहजता पैदा करती हैं।

त्वचा का बेजान और रूखा होना

रात को सोने से पहले अगर आपकी त्वचा जरूरत से ज्यादा रूखी, फटी या बेजान लग रही है, तो यह भी विटामिन ए की कमी का संकेत हो सकता है। यह विटामिन स्किन सेल्स को रिपेयर करने में मदद करता है। इसकी कमी से त्वचा में नमी की कमी आने लगती है, और स्किन की ऊपरी परत हार्ड हो जाती है। यह असर चेहरे, हाथों और पैरों पर साफ नजर आता है, खासकर रात के समय जब स्किन आराम की स्थिति में होती है।

बालों का झड़ना और रूसी

अगर आप रात को सोने से पहले तकिए पर बालों का झड़ना अधिक महसूस करते हैं या सिर में खुजली और रूसी ज्यादा होती है, तो इसका संबंध भी विटामिन ए की कमी से हो सकता है। यह विटामिन स्कैल्प की सेहत बनाए रखने में मदद करता है और बालों की ग्रोथ को सपोर्ट करता है। इसकी कमी से हेयर फॉलिकल्स कमजोर होने लगते हैं और बाल झड़ने लगते हैं।

बार–बार सर्दी–खांसी या संक्रमण

विटामिन ए हमारी इम्यूनिटी को मजबूत बनाता है। इसकी कमी से शरीर का प्रतिरक्षा तंत्र कमजोर हो जाता है, जिससे हम जल्दी–जल्दी वायरल, सर्दी, खांसी और फंगल इन्फेक्शन के शिकार हो जाते हैं। ये लक्षण खासकर रात के समय या रात में नींद के दौरान ज्यादा परेशान करते हैं, क्योंकि तब शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता सबसे कम होती है।

अचानक थकावट और कमजोरी महसूस होना

यदि आप दिनभर ठीक रहते हैं, लेकिन जैसे–जैसे रात होती है, आपको थकान, सिर भारी लगना या कमजोरी महसूस होती है, तो यह विटामिन ए की कमी से हो सकता है।